राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों हेतु न्यूनतम एकीकृत पाठयक्रम

स्नातक पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों के वर्षवार प्रश्नपत्र

विषय : हिन्दी साहित्य

वर्ष	प्रश्न पत्र	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/प्रयोगात्मक	क्रेडिट्स
बी॰ए॰ प्रथम वर्ष	प्रथम	A010101T	हिन्दी काव्य	लिखित	06
	द्वितीय	A010201T	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	लिखित	06
बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष	प्रथम	A010301T	हिन्दी गद्य	लिखित	06
	द्वितीय	A010401T	हिन्दी अनुवाद	लिखित	06
बी॰ए॰ तृतीय वर्ष	प्रथम	A010501T	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	लिखित	05
	द्वितीय	A010502T	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	05
	तृतीय	A010601T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	लिखित	05
	चतुर्थ	A010602T	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	लिखित	05

पाठ्यक्रम निर्माण समिति :

क्र.	नाम	पदनाम	विभाग	कॉलेज/विश्वविद्यालय
1	डॉ. पुनीत बिसारिया, संयोजक	अध्यक्ष – हिन्दी विभाग	हिन्दी	बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी
2	प्रो॰ अनिल राय, सदस्य	अध्यक्ष – हिन्दी विभाग	हिन्दी	दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
3	डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव, सदस्य	सह आचार्य – हिन्दी विभाग	हिन्दी	डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ
4	डॉ. यतेंद्र सिंह कुशवाहा, सदस्य	सहायक आचार्य – हिन्दी विभाग	हिन्दी	डी. ए. वी. कॉलेज, कानपुर

GENERAL PROGRAMME OUTCOMES

- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
- साहित्य के मूलभूत स्वरूप, यथा विभिन्न विधाओं, हिन्दी के रोज़गारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
- भाषा, साहित्य तथा संस्कृति की अन्तर्सम्बद्धता के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा|
- कंप्यूटर, सिनेमा, अनुवाद आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को नए समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा|

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

- बी. ए. प्रथम वर्ष के **'हिन्दी काव्य'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।
- बी.ए. प्रथम वर्ष के **'कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोज़गार प्राप्त कर सकें।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष के **'हिन्दी गद्य'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों, एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष के **'हिन्दी अनुवाद'** प्रश्नपत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के वैश्विक प्रचार प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष के प्रथम प्रश्नपत्र **'साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना'** के अंतर्गत विद्यार्थी को साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और विषय-क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष के द्वितीय प्रश्नपत्र **'हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य'** के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं सिनेमा की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता और महानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष के तृतीय प्रश्नपत्र **'भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि'** के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना एवं उन्हें हिन्दी की वैज्ञानिक एवं संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष के चतुर्थ प्रश्नपत्र **'लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति** के अंतर्गत विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

PROPOSED STRUCTURE OF BA HINDI SYLLABUS

PROGRAMME	YEAR	Paper	THEORY/PRACTICAL	COMPULSORY/ ELECTIVE	COURSE TITLE	CREDITS	TEACHING HOURS	MINOR ELECTIVE (FOR OTHER FACULTY/DEPARTMENTS)
CERTIFICATE IN Faculty	I	Paper-I	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी काव्य	6	90	ALL FACULTIES
		Paper-II	THEORY	COMPULSORY	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	6	90	ALL FACULTIES
DIPLOMA IN Faculty	II	Paper-I	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी गद्य	6	90	ALL FACULTIES
		Paper-II	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी अनुवाद	6	90	ALL FACULTIES
DEGREE IN Faculty	III	Paper-I	THEORY	COMPULSORY	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	5	75	ALL FACULTIES
		Paper-II	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	5	75	ALL FACULTIES
		Paper-III	THEORY	COMPULSORY	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	5	75	ALL FACULTIES
		Paper-IV	THEORY	COMPULSORY	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	5	75	ALL FACULTIES

PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	BA I YEAR		First Paper
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010101T	COURSE TITTE: हिन्दी काव्य		
Course outcomes: हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना|			
CREDITS: 6	MAX. MARKS: 25+75		MIN. PASSING MARKS:
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.			

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहास : इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकास:** भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य, हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ । सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य,नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य| भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण,भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार,निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,नामकरण, प्रवृत्तियाँ एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद (रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध, रीति मुक्ति,प्रमुख कवि और उनका काव्य।	12

II	**आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास :** सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण,हिंदी नवजागरण,भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।	12
III	**आदिकालीन कवि :** **विद्यापति :** (विद्यापति पदावली - संपा. :आचार्य रामलोचन शरण) क. राधा की वंदना, ख. श्रीकृष्ण प्रेम (35), ग. राधा प्रेम - (36) **गोरखनाथ :** (गोरखबानी : संपादक पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल गोरखबानी सबदी (संख्या 2,4,7,8,16), पद (राग रामश्री 10,11) **अमीर खुसरो :** (अमीर खुसरो - व्यक्तित्व एवं कृतित्व :डॉ. परमानन्द पांचाल) कव्वाली - घ (1), गीत-ड़(4), (13), दोहे - च (पृष्ठ 86),05 दोहे - गोरी सोवे,खुसरो रैन,देख मैं,चकवा चकवी,सेज सूनी|	10
IV	**भक्तिकालीन सगुण कवि :** **सूरदास :**(भ्रमरगीत सार-संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) (पद संख्या- 07, 21, 23, 24, 26) **गोस्वामी तुलसीदास :** (श्रीरामचरित मानस-गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या काण्ड-दोहा संख्या 28से 41	11
V	**भक्तिकालीन निर्गुण कवि :** **कबीर :** (कबीरदास - संपा. श्यामसुंदर दास)	10

	क. गुरुदेव को अंग -01, 06, 11, 17, 20| ख- बिरह कौ अंग – 04, 10, 12, 20, 33 **मलिक मोहम्मद जायसी :** (मलिक मोहम्मद जायसी - संपा. - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) **नागमती वियोग खण्ड (01 से 6 पद)**	
VI	**रीतिकालीन कवि:** **केशवदास :** (कविप्रिया (प्रिया प्रकाश) - लाला भगवानदीन) तृतीय प्रभाव – 1, 2, 4, 5 **बिहारीलाल :** (बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथ दास रत्नाकर) प्रारंभ के 10 दोहे **घनानंद :** (घनानंद ग्रन्थावली-संपा.,विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित – 1, 4, 7	**11**
VII	**आधुनिककालीन कवि :** **भारतेंदु हरिश्चंद्र :**मातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहूँ जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता पता मोहि कीजे **जयशंकर प्रसाद :**कामायनी के श्रद्धा सर्ग के प्रथम दस पद, आंसू के प्रथम पांच पद **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : अधिवास, बादल–राग (छठाँ खण्ड)**, वह तोड़ती पत्थर **सुमित्रानंदन पन्त :**मौन निमंत्रण, **भारतमाता, ताज** **महादेवी वर्मा :** फिर विकल हैं प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो	**12**
VIII	(अ) **छायावादोत्तर कवि और हिन्दी साहित्य में शोध :** **अज्ञेय :**नदी के द्वीप, **आज थका हिय हारिल मेरा**, कलगी बाजरे की **मुक्तिबोध :**विचार आते हैं, भूल गलती	**12**

	नागार्जुन :अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है **धर्मवीर भारती :**बोआई का गीत, कविता की मौत(दूसरा सप्तक, सम्पादक अज्ञेय) **धूमिल :** मोचीराम, रोटी और संसद	

निर्धारित पाठ्य पुस्तक :

1. डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, (प्र.संपा.), डॉ. अलका मिश्रा, (संपा.), डॉ. अजीत सिंह, (संपा.), आधुनिक काव्य-संग्रह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2021
2. डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, (प्र.संपा.), डॉ. अलका मिश्रा, (संपा.), डॉ. अजीत सिंह, (संपा.), प्राचीन, मध्यकालीन एवं रीतिकालीन काव्य-संग्रह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2021

सन्दर्भ ग्रन्थ :

3. डॉ. नगेंद्र, (संपा.), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
4. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
5. शुक्ल, रामचंद्र,हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
6. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
8. सिंह, नामवरआधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
9. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं, प्रकाशन केंद्र,लखनऊ,2014
10. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
11. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र,लखनऊ, 2014
12. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961,तृतीय संस्करण
13. भटनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य ,इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग,1952
14. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई,1940
15. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, विद्यापति : एक अध्ययन,भारतीय ग्रन्थ निकेतन,नयी दिल्ली,1991
16. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय,वाराणसी,1957
17. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर,साहित्य भवन लिमिटेड,इलाहाबाद,1943
18. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
19. वर्मा रामकुमार,कबीर का रहस्यवाद,साहित्य भवन,इलाहाबाद,1941
20. वर्मा, रामलाल, जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व,भारतीय ग्रन्थ निकेतन , दिल्ली,1979
21. पाठक, शिवसहाय, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य,साहित्य भवन, इलाहाबाद
22. शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर,1965

23. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद,1993
24. वाजपेयी नन्ददुलारे, सूर संदर्भ,इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
25. त्रिपाठी रामनरेश, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग-1), हिन्दी मंदिर, प्रयाग, 1937
26. दीक्षित राजपति, तुलसीदास और उनका युग,ज्ञानमंडल लिमिटेड,वाराणसी,1953
27. सिन्हा डॉ. अरविन्द नारायण, विद्यापति : युग और साहित्य , विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
28. डॉ.नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
29. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
30. त्रिगुणायत गोविन्द, कबीर की विचारधारा, साहित्य निकेतन,कानपुर
31. उपाध्याय विशम्भर नाथ,सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण,विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
32. किशोरीलाल, घनानन्द : काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद
33. भटनागर रामरतन, केशवदास : एक अध्ययन, किताब महल , इलाहाबाद,1947
34. शर्मा किरणचन्द्र, केशवदास : जीवनी , कला और कृतित्व,भारती साहित्य मन्दिर, दिल्ली,1961
35. डॉ. नगेन्द्र, कामायनी क्क अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1962
36. शर्मा, रामविलास, निराला की साहित्य साधना, भाग-2, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1981, द्वितीय संस्करण
37. गौड़, राजेंद्र सिंह, आधुनिक कवियों की काव्य साधना, श्रीराम मेहता एंड संस, आगरा, 1953
38. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
39. कुमार विमल, छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1970
40. तिवारी, भोलानाथ, प्रसाद की कविता, साहित्य भवन, प्रयागराज
41. डॉ. नगेन्द्र, सुमित्रानंदन पन्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1962
42. शर्मा, रमेश, पन्त की काव्य साधना, साहित्य निकेतन, कानपुर
43. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
44. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
45. बिसारिया, डॉ. पुनीत, काव्य मञ्जूषा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017
46. सिंह, हितेश कुमार, (स०), अज्ञेय होने का अर्थ दृष्टि का विवेक, लोकभारती प्रकाशन
47. सिंह, डॉ, उदयप्रताप, नाथ पंथ और गोरखबानी, आर्यावर्त्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली, 201
48. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण|

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject …….. in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses: ………………………………………………………………………………………………..	
Further Suggestions: ………………………………………………………………………………………………..	

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	BA I YEAR	Second Paper
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010201T	COURSE TITTE: कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	
Course outcomes: हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सके एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कम्प्यूटर पर कार्य करने में सक्षम होकर रोज़गार प्राप्त कर सकें।		
CREDITS: 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS:

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	**कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र :** कार्यालयी हिन्दी की संकल्पना उद्देश्य एवं क्षेत्र कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध कार्यालयी हिन्दी की संभावनाएं कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी	11
II	**कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली :** शब्दावली निर्माण के सिद्धांत कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम पदनाम, संबोधन आदि, प्रशासनिक एवंविधिक शब्दावली	11
III	**कार्यालयी हिन्दी पत्राचार :** आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञाप विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति	12
IV	**प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवनएवं प्रतिवेदन :** प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर	11

	संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	
V	**हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकासक्रम :** कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य	11
VI	**हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी :** इन्टरनेट और हिन्दी, ई मेल हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट हिन्दी से सम्बन्धित विभिन्न वेबसाइटें सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	11
VII	**हिन्दी भाषा और ई शिक्षण :** इन्टरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ इन्टरनेट पर उपलब्ध दृश्य-श्रृव्य सामग्री ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई पुस्तकालय सामग्री सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं	11
VIII	(अ) **हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष और हिन्दी साहित्य में शोध:** हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉण्ट यूनिकोड स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी हिन्दी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण **(ब) हिन्दी साहित्य में शोध** शोध के प्रकार (परिकल्पना परीक्षण और परिकल्पना उत्पादन), शोध के चरण, साहित्यिक शोध का उद्देश्य	12

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली, 1963

2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991
3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली
4. गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण
6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. भाटिया, कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2005
8. जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजयकुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. शर्मा, पी. के., कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली
14. संजय द्विवेदी (संपा.), सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली
15. शुक्ल सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन्स, दिल्ली
16. कुमार सुरेश, इन्टरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. श्रीवास्तव गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली
18. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007
19. पाण्डेय. कैलास नाथ, प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका, लोकभारती प्रकाशन

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं |

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण|

Suggested Continuous Evaluation Methods:

कार्यालय की कार्यविधि का कार्यालयों में जाकर प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करना, कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी प्राप्त करना, प्रायोगिक एवं एवं परियोजना कार्य, कम्प्यूटर टाइपिंग, पीपीटी एवं पोस्टर बनाना

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject …….. in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Suggested equivalent online courses:

	……………………………………………………………………………………………..
	Further Suggestions: ……………………………………………………………………………………………..

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

………………………………………………………………………………………………………
……

PROGRAMME /CLASS DIPLOMA	BA II YEAR	First Paper

Subject: Hindi	
COURSE CODE A010301T	COURSE TITTE: हिन्दी गद्य

Course outcomes:

हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें|

CREDITS 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**हिन्दी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास :** हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास	12

	हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उद्भव और विकास	
II	**हिन्दी गद्य की महत्त्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय :** कहानी उपन्यास नाटक एकांकी आलोचना निबंध यात्रा वृत्तान्त संस्मरण रेखाचित्र डायरी रिपोर्ताज आत्मकथा जीवनी व्यंग्य	12
III	**हिन्दी उपन्यास :** महाभोज – मन्नू भंडारी	11
IV	**हिन्दी कहानी** **कफन** - प्रेमचन्द पाजेब - जैनेन्द्र गैंग्रीन - अज्ञेय परदा- यशपाल तीसरी कसम - रेणु **बोलने वाली औरत – ममता कालिया**	11
V	**हिन्दी नाटक एवं एकांकी :** **नाटक :** आधे अधूरे – मोहन राकेश	11

	एकांकी : **ताँबे का कीड़ा – भुवनेश्वर** लक्ष्मी का स्वागत - उपेंद्रनाथ अश्क	
VI	**हिन्दी निबन्ध :** भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र **कविता क्या है** - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल **कुटज** - हजारीप्रसाद द्विवेदी उत्तरा फाल्गुनी के आसपास - कुबेरनाथ राय तुम चन्दन हम पानी–डॉ. विद्यानिवास मिश्र	11
VII	**अन्य गद्य विधाएं - प्रथम खण्ड :** रेखाचित्र (गिल्लू- महादेवी वर्मा) संस्मरण (तीस बरस का साथी - रामविलास शर्मा) जीवनी अंश (कलम का सिपाही - अमृत राय) रिपोर्ताज (ऋण जल धन जल - रेणु) व्यंग्य (भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई)	11
VIII	**अन्य गद्य विधाएं - द्वितीय खण्ड :** यात्रा वृत्तांत (मेरी तिब्बत यात्रा - राहुल सांकृत्यायन) डायरी (एक लेखक की डायरी - मुक्तिबोध) इन्टरव्यू (मैं इनसे मिला, श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - पद्म सिंह शर्मा कमलेश) आत्मकथा अंश (जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि)	

निर्धारित पाठ्य पुस्तक :

1. **डॉ. आशुतोष कुमार सिंह (प्र.संपा.), डॉ अलका मिश्रा (संपा.), डॉ अजीत सिंह (संपा.), प्रतिनिधि हिन्दी कहानियां, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2021**
2. **डॉ. आशुतोष कुमार सिंह (प्र.संपा.), डॉ अलका मिश्रा (संपा.), डॉ अजीत सिंह (संपा.), प्रतिनिधि हिन्दी निबन्ध, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2021**

3. डॉ. आशुतोष कुमार सिंह (प्र.संपा.), डॉ अलका मिश्रा (संपा.), डॉ अजीत सिंह (संपा.), प्रतिनिधि हिन्दी गद्य संग्रह (रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी, रिपोर्ताज, व्यंग, यात्रावृतांत, डायरी, इन्टरव्यू, आत्मकथा), लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2021

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. तिवारी. रामचंद्र, हिन्दी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी , 2007
2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी , 1992
4. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
5. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018
7. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन 1975
8. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा
9. वर्मा, डॉ. रामकुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोत : ई पुस्तकालय
10. हरिश्चंद्र भारतेंदु, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. प्रसाद जयशंकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. गुप्ता सोमनाथ, हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्रा चन्द्र नारंग, इलाहाबाद, तीसरा संस्करण, 1951
13. ओझा, डॉ. दशरथ, हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
14. रस्तोगी गिरीश, हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद
15. ओझा, डॉ. दशरथ, हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
16. त्रिपाठी सत्यवती, आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. किशोर ब्रजराज, हिन्दी नाटक और रंगमंच, जनप्रिय प्रकाशन
18. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिन्दी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
19. कुमार, सिद्धनाथ, हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
20. महेंद्र, डॉ. रामचरण, एकांकी और एकांकीकार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. महेंद्र, डॉ. रामचरण, हिन्दी एकांकी, उद्भव और विकास, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
22. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007
23. बिसारिया, डॉ. पुनीत, प्रकीर्ण विविधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018
24. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं |

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण|
Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject …….. in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses: ……………………………………………………………………………………………..
Further Suggestions: ……………………………………………………………………………………………..

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

……
……

PROGRAMME /CLASS DIPLOMA	BA II YEAR	Second Paper
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010401T	COURSE TITTE: हिन्दी अनुवाद	
Course outcomes: विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुये वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार प्रसार में सहायक बनाना।		
CREDITS 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	**अनुवाद की अवधारणा :** अनुवाद : परिभाषा , स्वरूप अनुवाद का महत्त्व अनुवाद के अन्य रुप : लिप्यंतरण, मशीनी अनुवाद आदि अनुवादक के गुण,दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं	11
II	**अनुवाद के क्षेत्र :** प्रक्रिया प्रकार सीमाएँ अंग्रेजी-हिन्दी अनुवाद की समस्याएं और समाधान	11
III	**अनुवाद का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ :** संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और समाज अनुवाद और भाषा बहुभाषिक समाज में अनुवाद	11
IV	**अनुवाद के साधन :** अनुवाद में कोश का महत्त्व कोशों के प्रकार कोशों के उपयोग संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग थिसॉरस के उपयोग	11

	पर्यायकोश के उपयोग उच्चारणकोश के उपयोग भाषिककोश के उपयोग विषयकोश के उपयोग परिभाषाकोश के उपयोग विश्वकोश के उपयोग साहित्यकोश के उपयोग मिथककोश के उपयोग पुराणकोश के उपयोग	
V	**पारिभाषिक शब्दावली :** पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	11
VI	**अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथासमीक्षा :** पुनरीक्षण मूल्यांकन समीक्षा	11
VII	**अनुवाद सैद्धांतिकी– एक :** (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) प्रशासनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद ज्ञान, विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	**12**
VIII	**अनुवाद सैद्धांतिकी– दो :** (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) सामाजिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद	**12**

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972

2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012

3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ,2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी , तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद ,दिल्ली,1994
5. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6, तिवारी भोलानाथ , चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1980
7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली , केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा,1997
8. तिवारी भोलानाथ , चतुर्वेदी महेन्द्र, पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1973
9. तिवारी भोलानाथ ,कुमार कृष्ण , कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1987
10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद,2012
11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01से 04), किताबघर प्रकाशन, दिल्ली,2018
12.टंडन पूरनचन्द एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार,अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली,2005
13. कुंचीपादम सीता,बैंकों में अनुवाद प्रविधि,भारतीय अनुवाद परिषद,दिल्ली,1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम,अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ,साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली,1999
16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007
17. https://shabdavali.rbi.org.in/ (बैंकिंग शब्दावली)
18. https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary (विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोश)
19. https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi(अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)
20. https://www.oxfordlearnersdictionaries.com/us/ (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं |

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject …….. in class/12th/ certificate/diploma.

सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित

Suggested equivalent online courses:

………………………………………………………………………………………………..

	Further Suggestions: **सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)**

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

……
……

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	First Paper
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010501T	COURSE TITTE: **साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना**	
Course outcomes: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और उनके विषय - क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे तथा वे हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे |		
CREDITS: 5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS
Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**भारतीय काव्यशास्त्र :** काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य का स्वरुप काव्य की आत्मा	09

II	**भारतीय काव्य सिद्धांत:** अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत रस सिद्धांत ध्वनि सिद्धांत वक्रोक्ति सिद्धांत औचित्य सिद्धांत	09
III	**साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ** काव्य रूप काव्य गुण शब्द शक्ति काव्य दोष	09
IV	**नाट्यशास्त्र :** भारतीय नाट्यशास्त्र का सामन्य परिचय वृत्ति अभिनय रुपक कथा नेता या नायक नायिका रंगमंचीय विशेषताएं	09
V	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र :** अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत रिचड्र्स का संप्रेषण सिद्धांत टी.एस.इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	09
VI	**हिन्दी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी :** हिन्दी आलोचना का विकास सैद्धांतिक आलोचना स्वछन्दतावादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना	10

	मनोविश्लेषणवादी आलोचना	
VII	**समीक्षाकी विचारधाराएँ :** नयी समीक्षा नवशास्त्रवाद यथार्थवाद आभिजात्यवाद और नव्य आभिजात्यवाद कलावाद बिम्बवाद प्रतीकवाद संरचनावाद तथा उत्तर संरचनावाद विखण्डन	10
VIII	**आलोचक एवं आलोचना दृष्टि :** रामचन्द्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद हजारीप्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य - नई मान्यताएं डॉ. नगेन्द्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएं रामविलास शर्मा : तुलसी साहित्य में सामन्त विरोधी मूल्य नामवर सिंह : कहानी : नई और पुरानी मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष	10

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. शर्मा,देवेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. नवल, नंदकिशोर, हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़.1987
4. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशात्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशात्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
6.त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

7.तिवारी, डॉ. रामचन्द्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010

8. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007

9.जैन, निर्मला, पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,1990

10. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्य शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

11. मिश्र, भगीरथ, काव्य शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

12. सिंह, योगेन्द्र प्रताप, हिन्दी काव्यचिन्तन के मूल आधार, लोकभारती प्रकाशन

13. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार, लोकभारती प्रकाशन

14. सर्वेश्वर लाल खंडे लाल, हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ, लोकभारती प्रकाशन

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं |

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण|

Suggested Continuous Evaluation Methods:

पुस्तक समीक्षा

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject …….. in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Suggested equivalent online courses:

…………………………………………………………………………………………………..

Further Suggestions:

…………………………………………………………………………………………………..

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

……
……

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	Second Paper
Subject: Hindi		

COURSE CODE A010502T	COURSE TITTE: हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य

Course outcomes:

हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना|

CREDITS: 05	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य :** **चंदबरदाई :** पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज, **जगनिक :** आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां------------भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे -------- लड़िहैं खूब बीर मलखान)	09
II	**भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य :** **गुरु गोविन्द सिंह :** देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की **भूषण :** इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखें, दारुन दहत हरनाकुस बिदारिबे कों	09
III	**भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य :** **भारतेंदु हरिश्चंद्र :**उन्नतचितह्वैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै	09

	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : कर्मवीर, जन्मभूमि **मैथिलीशरण गुप्त :** आर्य, मातृभूमि	
IV	**छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य :** **जयशंकर प्रसाद :**प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :**भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार **माखनलाल चतुर्वेदी :**पुष्प की अभिलाषा, जवानी **सुभद्रा कुमारी चौहान :** वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी	09
V	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य :** **बालकृष्ण शर्मा नवीन :**कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है **रामधारी सिंह 'दिनकर':** शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय **श्यामलाल गुप्त 'पार्षद':** झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI	**समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण :** **श्यामनारायण पाण्डेय :**चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार **द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी :**उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो **गोपालप्रसाद व्यास :**खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	10
VII	**समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरण :** **सोहनलाल द्विवेदी :** मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में) **अटलबिहारी वाजपेयी :**कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें **डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' :** मातृ वंदना, हम भारतवासी	10
VIII	**हिन्दी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य:** **कवि प्रदीप:**आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है (किस्मत-1943)	10

कवि प्रदीप:ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आँख में भर लो पानी (ग़ैर फ़िल्मी)

कवि प्रदीप:हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के (जाग्रति-1954)

कवि प्रदीप:आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झांकी हिंदुस्तान की (जाग्रति-1954)

साहिर लुधियानवी: ये देश है वीर जवानों का (नया दौर-1957)

प्रेम धवन : छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी (हम हिन्दुस्तानी-1961

प्रेम धवन: ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला-1961)

कैफ़ी आज़मी:कर चले हम फ़िदा जाने तन साथियों (हकीकत-1964)

राजेन्द्र कृष्ण: जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा (फ़िल्म- सिकंदर-ए-आज़म-1965)

गुलशन बावरा : मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार : 1967)

इन्दीवर: है प्रीत जहाँ की रीत सदा (पूरब और पश्चिम-1971)

प्रसून जोशी: देस रंगीला रंगीला देस म्हारा रंगीला (फ़ना-2006)

सेशनल अथवा सत्रीय परीक्षा (प्रायोगिक कार्य) :

सत्रीय परीक्षा में विद्यार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा देनी होगी, जसके अंतर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित फिल्मों में से कोई एक फिल्म देखकर उसकी समीक्षा तथा उसमें वर्णित सन्देश परियोजना कार्य के रूप में आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा-

आनंदमठ
हकीक़त
उपकार
शहीद
गाँधी
उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक
केसरी

निर्धारित पाठ्य पुस्तक :

1. डॉ आशुतोष कुमार सिंह, (प्र.संपा.), डॉ अलका मिश्रा, (संपा.), डॉ अजीत सिंह, (संपा.), प्रतिनिधि हिन्दी राष्ट्रीय काव्य, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2021

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005वि.
2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रासो, मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण, सन1906.
3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
4. कुमुद, अयोध्याप्रसाद गुप्त, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014
5. आल्हखण्ड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम
6. श्यामसुंदरदास (संपा.), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण
7. सिंह, डॉ. महीप, गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, सन 1969, प्रथम संस्करण
8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010 वि .
10. ब्रजरत्न दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी
11. गिरीश, गिरिजदत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932
12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन 2008
13. व्यास, विनोद शंकर(संपा.), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी
14. वाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, लीडर प्रेस, इलाहाबाद
15. बिसारिया, डॉ. पुनीत, भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2014
16. अरुण, डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल, बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि 'निशंक', अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2020
17. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007
18. kavitakosh.org
19. epustakalay.com
20. ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India)
21. hindigeetmala.net

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं |

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण|
Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. फिल्म विशेष के सन्देश पर परियोजना कार्य 2. वाचन
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject …….. in class/12th/ certificate/diploma. **सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)**
Suggested equivalent online courses: ………………………………………………………………………………………..
Further Suggestions:

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

……

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	Third Paper
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010607T	COURSE TITTE: भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	
Course outcomes: भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकासऔर देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित कराना।		

CREDITS: 5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**भाषा एवं भाषाविज्ञान कासामान्य परिचय :** भाषा : परिभाषा,स्वरूप, अभिलक्षण भाषाविज्ञान : परिभाषा, प्रकार,क्षेत्र, शाखाएँ	09
II	**भाषिक संरचना तथा स्तर :** ध्वनि शब्द रूप वाक्य प्रोक्ति अर्थ	09
III	**हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास :** पृष्ठभूमि अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिन्दी मानक हिन्दी	09
IV	**हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्रोत :** हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण आधार - बाह्य प्रयत्न,आभ्यंतर प्रयत्न,उच्चारण,स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता	09
V	**हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय :** **पश्चिमी हिन्दी** **पूर्वी हिन्दी** **पहाड़ी हिन्दी**	09

	राजस्थानी हिन्दी **बिहारी हिन्दी**	
VI	**हिन्दी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति :** राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण	10
VII	**देवनागरी लिपि :** नामकरण उद्भव और विकास विशेषताएं वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
VIII	**क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन :** क्षेत्रीय बोली का विकास क्रम क्षेत्रीय बोली का साहित्यिक विका	10

Suggested Readings:

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्माआचार्यदेवेन्द्रनाथ , भाषाविज्ञानकीभूमिका, राधाकृष्णप्रकाशन, दरियागंजनयीदिल्ली,1972
2. द्विवेदीकपिलदेव , भाषा-विज्ञानएवंभाषा-शास्त्रविश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी,1980
3. शर्माडॉ. रामकिशोर , हिन्दीभाषाकाऐतिहासिकपरिप्रेक्ष्य, विद्याप्रकाशन, इलाहाबाद,1994
4. तिवारीभोलानाथ , हिंदीभाषाकाइतिहास, वाणीप्रकाशन, नईदिल्ली,1987
5. त्रिपाठीसत्यनारायण , हिंदीभाषाऔरलिपिकाऐतिहासिकविकास, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी,1981
6. शर्माराजमणि , हिंदीभाषा: इतिहासएवंस्वरूप , वाणीप्रकाशन, नईदिल्ली,2014
7. तिवारीभोलानाथ , भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद,1999
8. वर्माडॉ.धीरेन्द्र, हिन्दीभाषाऔरलिपि, हिन्दुस्तानीएकेडमी, प्रयाग, 1951
9. बाहरीहरदेव., हिन्दीभाषा, अभिव्यक्तिप्रकाशन, दिल्ली, 2017

बाहरीहरदेव , हिन्दीउद्भव, विकासऔररुप , किताबमहल , इलाहाबाद, 42वाँसंस्करण, 2018

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं |

Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण|
Suggested Continuous Evaluation Methods: कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject …….. in class/12th/ certificate/diploma. **सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)**
Suggested equivalent online courses: ………………………………………………………………………………………………..
Further Suggestions: ………………………………………………………………………………………………..

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:
……
……

PROGRAMME /CLASS DEGREE	BA III YEAR	Fourth Paper
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010602T	COURSE TITTE: लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	
Course outcomes: भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।		
CREDITS: 05	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	**लोक साहित्यका सामान्य परिचय :** लोक साहित्य : परिभाषा ,क्षेत्र ,वर्गीकरण,	09
II	**लोक साहित्यऔर शिष्ट साहित्य :** लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध	09
III	**लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता :** लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण,लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	09
IV	**लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन :** लोक साहित्य संकलन,संरक्षण एवं संवर्द्धन,राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।	09
V	**लोक साहित्य की विविध विधाएँ :** लोक गीत ,लोक गाथा ,लोक कथा ,लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	09
VI	**लोक का प्रकीर्ण साहित्य :** लोकोक्तियाँ,मुहावरे एवं पहेलियाँ-परंपरा एवं महत्त्व	10
VII	**हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रम :** हिंदी का लोक साहित्य, इतिहासः अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिंदी का लोक साहित्य और बोलियाँ	10
VIII	हिंदी के विभिन्न क्षेत्रीय (आंचलिक) लोक साहित्य का परिचय। (इस इकाई में सम्बन्धित विश्वविद्यालय /संस्था अपनी सुविधानुसार आंचलिक लोक साहित्य के बारे में अध्ययन कराएंगे)	10

Suggested Readings:

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1.प्रसाद, डॉ.दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति ,लोक भारती प्रकाशन ,प्रयागराज, 1973

2. शर्मा, डॉ.श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर ,आगरा, 1973

3. सक्सेना, डॉ. उषा,लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन ,दिल्ली,2007

4. उपाध्याय,कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका ,साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड , प्रयागराज, 1957
5. सुमन, रामनाथ, संपादक,सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010
6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता ,प्रकाशन केंद्र ,लखनऊ, 2019
7. मिश्र, डॉ. श्रीधर,भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन ,हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
8. यादव, डॉ वीरेंद्र सिंह,भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स ,नई दिल्ली, 2018
9. बिसारिया, डॉ.पुनीत एवं यादव,डॉ.वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली,2009
10. डॉ. सत्येंद्र ,लोक साहित्य विज्ञान ,शिवलाल अग्रवाल कंपनी,आगरा, 1971
11. बिसारिया, डॉ.पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017
12. बिसारिया, डॉ.पुनीत, बुन्देली काव्य धारा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019
13. उपाध्याय,कृष्णदेव,भोजपुरी लोक का अध्ययन,हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय,वाराणसी, 1949
14. सत्येन्द्र, ब्रज की लोक कहानियां, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा
15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं |

Suggested Continuous Evaluation Methods:
लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण|

Suggested Continuous Evaluation Methods:

1. कृति विशेष का भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य
2. वाचन

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject …….. in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Suggested equivalent online courses:

……………………………………………………………………………………………..

Further Suggestions:

……………………………………………………………………………………………..

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

……